



२ॐ नमः श्रीवज्रसत्त्वाय ॥ नाम कर्तृविधि ॥ मचावूर्ध्वं क क्रिया
 ॥ ॥ कृपीकलसा ॥ सागी ॥ गलस ॥ महाकाल ॥ लमग्रस ॥ वाल
 कमाना ॥ वेस्तीनन ॥ चाकिवो ॥ खन ॥ ॥ माकुने ॥ नूचा ॥ मचा
 त्रिंशदा ॥ स्वगलदं द्वाय ॥ उलागह ॥ १२ हिमलहान ॥ द्याकि
 वक्रिक्षाय ॥ उग्राकि वक्रं चिवावासातय ॥ काविइत्रहाच

अश्वमेध
 AGHARSHI

2654

तया ॥ हामनडासीतयाउमला ॥ सगंयाधतय ॥ उलागह ॥ छह
 ल ॥ कासिहलनां ॥ उयासागनदअनंतयातय ॥ ॥ पूजा
 नाथानकिन ॥ कासं ॥ सकलयाका ॥ स्वीकिगल ॥ द्वाय ॥ स्वीज
 पयायमनु ॥ ॐ सर्वतथगतमहाया ॥ लमग्रदं ॥ ॥ अत्र १०८
 ॥ स्वहासुधातग ॥ आकर्षन ॥ धूकन ॥ ॥ धनलिउत्रमनु

लयाया॥ सिद्धतया॥ नाथान किं धर्मादां का॥ मधुविहङ्गन
॥ नावोपिखासाख्यकच्छाया॥ ॥ दगुलिसमाधियाय॥ ॥
धनंलि कलससजायाय॥ सागीमतासाकिवो॥ रुकलं पूजा
याय॥ ॥ साकिवो॥ आगिनीदेवताहस्ताय॥ हस्ताय न
म॥ पंचयवाय॥ पूषत्यासा॥ अष्टमाष्टिकाग्नियस्वाहा

॥ मुनी॥ बुक्राय निमहादवा॥ नोडाय निस्वतहास्वना॥ का
मानि न कुनिहासा॥ वैष्णवीय नमस्तुते॥ वाजाहिधानत्र
पिच॥ ॐ दायनीगेनीसंनिहा॥ तदिमासि कालिकाय
वी॥ वीदिकाय नमस्तुते॥ धूलिवाकिवो पूजा॥ ॥ धनंलि
सागीमतासाया॥ ॥ स्वस्तिवाया॥ ॥ स्वस्तीसमा मरुदुकात

यः ॥ दिदिनमचा वृषिकातयः ॥ न किनं मचा वलिनपि
स्यः ॥ तालचा कनकी ॥ जलधना हाय काद्रु हा हया वः ॥ दिदि
नमचा मामय ताल वृकायः ॥ दिदिपि हा वानः ॥ ध्वनीलि
मामया मूलमचा तया वः ॥ मामपूजा धियः संकल्पया क
॥ मामगुद्रमगुलमानकः ॥ खानवा ऊ ॥ वलिविद्यक

॥ विसर्जनया कः ॥ ध्वनीलि निलाजनयायः ॥ मखजल
हायः ॥ ॐ सर्वकृष्णपक्ष्मनि कृन्तुं रुद्रुखा हा ॥ ॥
मिसलिमूर्कापकौपियातयः ॥ ॐ सर्वपापविघ्नमाना
नृत्तमि कृन्तुं रुद्रुखा हा ॥ ॥ जालमलीपियः ॥ ॐ सर्ववन
न मलानयनय रुद्रुखा हा ॥ ॥ स्त्रीपियातयः ॥ ॐ सर्व

प्रथमं ज्ञानमस्मात्तान् द्यौ कथं श्रुत्वा हा ॥ ॥ मन्ता न
या जाया चोपि यै ॥ ॐ हन २ स हन २ ॐ दियं वली विष्णु
धनिय नून च नै हं रुद्र स्वाहा ॥ ॥ आ नतिगमल ॥ ॐ आदो
कल्यानं मध्व कल्यानं पर्यवत् नानि कल्यानं स्वर्थं सुव
ज्जने कवलपवि पूर्णं पवि पुङ्ग पयं वदात वक्रचय

संप्रकाशय किस्म ॥ ॥ सप्रय न्यो कथं ॥ ॥ मनुष्या रूपा
धूढातय ॥ ॐ कृष्ण कृष्ण मि विष्णु नानि कृष्ण रुद्र स्वाहा ॥
आसगल साया ॥ मरु २ पी लोकनाथ जिन वन मरुता
रुम्बला वज्र सत्त्व मेष्ठिया वज्र पानि सुक वन हि कनो
ना रुद्रा रुद्र पालो वृक्षा वेना च नाय मिद वन नमि ते



सकसिगांससमयविय
वजिष्ठकयकाःमस्या
लायकादियः॥२॥॥
यलावियः॥३॥॥
समयवोरनवातयः॥
समानिधकायातया
सकसिकंठमा॥ ॥

वातयवजिनसू
तयावृष्टपाःचूक
पागुपकायाःसू
माका॥४॥॥
पाःखकावातयः॥
सूहितयः॥५॥॥
यववोरनवातयः॥

मवावृष्टकगुवाया
अहालाकि॥६॥॥
किर्नवकंनवा॥७॥॥
वावृष्टकंनवा॥८॥॥
कृषीकावृष्टकंनवा॥९॥॥
नंदुचाकावृष्टकंनवा॥
वृष्टकप्रमानथ॥१०॥॥

द्विदनिसेखदायाःमुलासर्वथसिद्धिविमलसुमलसुःमंगलं
वाधिसत्वाःपिखात्ताखसतयककाया॥॥॥
वजनकृष्टाःवाहोयिवज्जुइंरुदखाहा॥॥॥
गमाचातथेवखावनाःनसर्वसत्वासुखीनांरुवन्तु॥॥॥
नायनवदवपूअःवृष्टनमस्यामिः॥॥॥
गन्तुस्वस्ति॥॥॥
धर्मीसंघः

नमस्यामि ॐ हनु स्वस्ति ॥ ॥ स्वगनयपास्वदातयागुलि न
पालिकाया दूजासतय ॥ स्वगनत्वाय ॥ स्वस्तिवाक् ॥ स्वस्तिव
इन्द्रमीदृक् ॥ ॥ स्वगनैतिक ॥ मिच्छूल द. ॐ सा मवात्रीपु
किग. खान. द. जिना. ग्वयंतया. लवङ्गाय. मवाताय ॥ ध्वनंलि
वलागहलस. नामवायातयागु. मावायाकपालसतय ॥ वाक्

नमस्कनामस थागत प्रव प्रव ॥ मकु ॥ ॥ ध्वनंलि. पूजा. वृष
वातय. द्वाया द. वन ॥ मताषूपाविद्य. मिथाल प्रजा ॥ ॥ स्वगन
तिक ॥ ॥ गतावनसिद्धल. मवातातिक ॥ ॥ थाकालिन. वलंगतह
लस. धलकलितयाव. जानक वाक्याया ॥ नृधस्क पदु विनि
धाययूक. कडा घतस्नानितयूक मस्मी. नृध दयज्वेत इयु

धनया दद्याच्च पीती म्वन का च्च कादि ॥ ॥ थ का लिन
पाचिनं म्रुडु सिक ॥ ॥ धल क हिल्व या म वा ना विर्यं धी क न क
व ॥ ॥ ॐ आ ॥ पूर्व त थ ग र म धू आ स न स्वा ल ॥ ॥ न क घ नि
ना सिक सा पा ॥ ॥ थ ना विर्यं धी का गु वा ना स त या व ॥ क ला प्र आ या
वा व स म्र य का या व क ला का य ॥ ॥ क हिल्व य ॥ ॥ ज ल हा य ॥ ॥ थ ना

सिद्धं लयः ॥ ॐ रुद्राग्निं नमस्कृत्य ॥ ॐ रुद्रस्वाहा ॥ ॥ धनं लिखति किव लि
सदा किञ्चाय ॥ किं गतां कं ॥ यधर्मा ॥ यो किं वीतय कं हाय क्वा
सस ॥ लिखनं वा ॥ मोवा कपीया वदा किं विय कं लखा पीनं ॥ वल
गत हल माला घाय काय या ज वल खास ॥ म्हाय या दया लखा
सताय ॥ ॥ धनं लिनायान किं धलदां कं ॥ किं गतानं ॥ मुनिया
य ॥ जमापन ॥ सताहन ॥ यधर्मा ॥ विद्या लकाय ॥ गुन प्रजा ॥

दवदकिना सांगतयका ॥ सांगका काय ॥ सांगनकिनीदः
 तात्वा ॥ सकसिनीतिथि ॥ कमापन ॥ कलसका काय ॥ क
 लुजलहाय सकहिनां सकसितां हाया ॥ हादकिना काय
 ॥ स्वाका काय ॥ सकसितां स्वासिद्धविया ॥ पूजा स्वां पूवी
 थानयक हाये ॥ तलथा हावान ॥ दववाश्नवातयस
 नाथानकितादकिना विय ॥ ३

क्रयनय ॥ कायनय दवाश्नवातय ॥ हायनय ॥
 गुहाश ॥ नाथानकिता हाथानय ॥ वला काय वय
 ॥ किनामकर्तु क्रिया स्नायी ॥ ॥ १००३ भाषाट्टु दि१३ गो४
 पूजाश १ मगाकिद्ध २ कसिदीप न्यांसक्रय १ ॥ १००४
 कलस १ वादास्वाकवा १ किलिप ग्वजाग्व १२ पका १
 सगंधो ४ कानिद्ध १ मगादल्लय निलाजंश २ ॥ १००५

विनम्रमिंयायागुर
 गगंका १२